रिटायर्ड दंपत्ति 3 दिन तक 'फंसे रहे डिजिटल अरेस्ट' में

- साइबर सेल की तुरंत कार्रवाई से करोड़ों की ठगी होना बची

नव भारत न्यूज

इंदौर. स्टेट साइबर सेल द्वारा डिजिटल अरेस्ट ठगी का एक बड़ा मामला उजागर होने और तीन साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी की खबर पढ़ते ही शहर के एक सेवानिवृत्त दंपत्ति ने पुलिस से मदद मांगी. दंपत्ति पिछले तीन दिनों से खुद इसी तरह की साइबर जालसाजी का शिकार बने हुए थे और लगातार कैमरे की निगरानी में रहने को मजबूर थे. साइबर सेल की त्वरित कार्रवाई ने उन्हें बड़े वित्तीय नुकसान से बचा लिया.

शहर की पॉश कॉलोनी में रहने वाले यह वरिष्ठ नागरिक दंपत्ति पति बैंक से और पत्नी शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल से प्रिंसिपल पद से सेवानिवृत्त पिछले कई दिनों से अज्ञात नंबरों से लगातार कॉल प्राप्त कर रहे थे. कॉल करने वाले खुद को

सीबीआई अधिकारी बताते हुए दंपत्ति की आधार कार्ड से जुड़ी कुछ जानकारी साझा करते और दावा करते कि उनके दस्तावेजों का इस्तेमाल कर मुंबई के केनरा बैंक में खाता खोला गया है, जिसमें करोड़ों रुपए का लेन-देन हुआ है. तीन दिन पहले कॉलर ने धमकी भरे लहजे में कहा कि दंपत्ति अवैध कमीशन लेने के आरोप में मुंबई ले जाए जा सकते हैं. इसके बाद वीडियो कॉलिंग के माध्यम से कथित पुलिस और कोर्टरूम के दृश्य दिखाए गए तथा 24 घंटे कैमरा चालू रखने का दबाव बनाया. भयभीत दंपत्ति ने निर्देशों का पालन करना शुरू कर दिया. स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि जब दूसरे दिन घरेलू सहायिका कमरे की सफाई के लिए पहुंची, तो कॉल पर मौजूद साइबर ठगों ने दंपत्ति को डांटकर कहा कि किसी भी व्यक्ति को कमरे में प्रवेश नहीं देना है. दंपत्ति लगातार मानसिक दबाव में थे और खुद को वास्तविक गिरफ्तारी के खतरे में मान बैठे थे.

भुगतान करने से पहले सुरक्षित किया

साइबर सेल द्वारा तत्काल हस्तक्षेप के चलते दंपत्ति आर्थिक लेन-देन करने या किसी प्रकार का भुगतान करने से पहले ही सुरक्षित कर लिए. पुलिस के पहुंचने से न केवल उनका डिजिटल अरेस्ट समाप्त हुआ, बल्कि एक बड़ी साइबर ठगी से भी बचाव हो गया.

खबर पढ़कर हुआ संदेह

इसी बीच, 22 नवंबर को अखबारों में डिजिटल अरेस्ट ठगी कर करोड़ों की हेराफेरी करने वाले गिरोह की गिरफ्तारी की खबर पढ़कर दंपत्ति को संदेह हुआ और उन्होंने तुरंत स्टेट साइबर सेल इंदौर के एसपी से संपर्क किया. सूचना मिलते ही महिला निरीक्षक सरिता सिंह और उपनिरीक्षक आशीष जैन टीम सहित दंपत्ति के घर पहुंचे. जैसे ही दंपत्ति की स्क्रीन पर वर्दी में महिला निरीक्षक दिखाई दी, साइबर अपराधियों ने घबराकर कैमरा बंद कर दिया और स्क्रीन पर मुंबई पुलिस का नकली लोगो फ्लैश कर दिया, जिसके कुछ ही क्षणों बाद कॉल डिस्कनेक्ट कर दी. टीम ने तत्काल उनके मोबाइल की सेटिंग में संदिग्ध नंबरों को ब्लॉक कराया और पूरी घटना का विवरण एनसीआरपी पोर्टल पर रिपोर्ट करवाई.

हॉस्टलों में सीरियल चोरी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग धराई

- 25 लाख रुपए की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद
- गूगल मैप से लोकेशन चुनकर देते थे वारदात को अंजाम

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में लगातार हो रही हॉस्टलों की चोरी की वारदातों के बीच पुलिस ने सक्रिय होकर एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो रोजाना ट्रेन से इंदौर आकर छात्रों के कमरों पर अपने हाथों की सफाई करता हैं, पुलिस की टीम ने ऐसे अंतरराज्यीय चोर गैंग को पकड़ने में सफलता हासिल की है. आरोपी गूगल मैप से लोकेशन चुनकर वारदात को अंजाम देते थे. पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है.

शहर के हॉस्टलों को निशाना बना रहे अंतराज्यीय चोरी गिरोह को थाना भंवरकुआं पुलिस ने पकड़ा है. तीन सदस्यों वाले इस गैंग से करीब 25 लाख रुपए कीमत के मोबाइल फोन, लैपटॉप और टैबलेट जब्त किए हैं. गिरोह गूगल मैप के जरिए हॉस्टलों की लोकेशन और गूगल जैमिनी की सहायता से स्थानीय भाषा समझकर चोरी की योजना तैयार करता था. शहर में चोरी और नकबजनी रोकने के लिए पुलिस आयुक्त द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद भंवरकुआं थाना क्षेत्र में एक विशेष टीम सक्रिय की गई थी. पुलिस उपायुक्त जोन-4, एसपी और एसीपी के मार्गदर्शन में टीम लगातार हॉस्टल क्षेत्रों, बस स्टैंड, ऑटो स्टैंड और शैडो पॉइंट्स पर निगरानी कर रही थी. इसी दौरान 21 नवंबर को आईटी पार्क क्षेत्र में चेकिंग के दौरान तीन संदिग्ध भारी बैग लिए मिले. तलाशी में बड़ी संख्या में मोबाइल और लैपटॉप बरामद हुए. पूछताछ में उन्होंने चोरी की वारदातों को करना स्वीकार किया है. आरोपियों ने भंवरकुंआ और बाणगंगा थाना क्षेत्रों में भी चोरी की वारदातों को अंजाम करना कबूला है.

महू में रहते हैं किराए से

गिरफ्तार आरोपियों में 38 वर्षीय मुथीयानथन, 26 वर्षीय मगेन्द्रन और 18 वर्षीय दीपक शामिल है. तीनों ही आरोपी वेलूर जिले, तमिलनाडु के रहने वाले है. यह सभी महू के आंबेडकर नगर में किराए के मकान में रहकर हर सुबह ट्रेन से इंदौर आते थे और हॉस्टलों में मौका मिलने पर मोबाइल, लैपटॉप सहित कीमती इलेक्ट्रॉनिक्स चोरी कर वापस महू लौट जाते थे, और चोरी का माल तमिलनाडु ले जाकर बेचने की तैयारी में थे.

यह सामग्री की जब्त : अब तक की कार्रवाई में पुलिस ने तीनों आरोपियों के कब्जे से 18 मोबाइल, 10 लैपटॉप और एक टैबलेट बरामद किया है. इसके अलावा थाना बाणगंगा से चोरी हुआ आईफोन, सैमसंग, रेडमी, वीवो सहित 10 इलेक्ट्रॉनिक आइटम भी जब्त किए हैं. पुलिस को आशंका है कि पूछताछ में और चोरी का माल सामने आ सकता है, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है.